"बूढी पृथ्वी का दुःख" (निर्मला पुतुल)

दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर लिखें:

1 मानवीकरण का अर्थ है–

(क) जो मानव नहीं, उसे मानव के रूप में कल्पित करना

(ख) दूसरों के सुख–दुख को अपना सुख–दुख मानना

(ग) पेड़, पहाड़, नदी आदि के प्रति चिंता प्रकट करना

(घ) सच्चा मनुष्य बनने की क्रिया

2 पर्यावरण का अर्थ है–

(क) मनुष्य के लिए अनिवार्य आसपास की प्राकृतिक स्थिति

(ख) प्राकृतिक आपदाएं जैसे–भूखण्ड, बाढ़, सूखा आदि|

(ग) वृक्षों, नदियों पहाड़ों को मनुष्य के रूप में चित्रित करना।

(घ) प्रकृति को सूक्ष्मता के साथ देखने की क्षमता।

3 कविता में पेड़ों के हजारों हजार हाथों के हिलने से अभिप्राय है–

(क) खुशी से झूम उठना (ख) तूफान से कांपना

(ग) रक्षा की गुहार लगाना (घ) हवा से थिरकना

4 हृदय विदारक का अर्थ देने वाला मुहावरा कौन-सा है–

(क) सीने पर पहाड़ रखा होना (ख) छाती पर सांप लोटना

(ग) दिल दहलना (घ) कलेजे पर पत्थर रखना

5 मनवीयकरण नहीं है-

(क) पेड़ों की चीत्कार (ख) नदियों का रोना

(ग) मौन समाधि लिए बैठा पहाड (घ) पेड़ की हिलती टहनियां

6 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के रचयिता का नाम है –

1 मैथली शरण गुप्त 3 भवानीप्रसाद मिश्र

2 निर्मिला पुतुल 4 केदारनाथ अग्रवाल

अणु प्रश्न

1 कुल्हाड़ी की भय से कौन चीख रहा है?

2 कुल्हाड़ी के भय से कौन हिल रहा हैं?

3 नदियाँ कैसे रोती हैं?

4 नदी के घाट पर क्या होता हैं?

5 स्त्री उसी जल को कहाँ चढ़ाती हैं?

6 मौन कौन बैठा हैं और क्यों?

7 समाधि के लिए कौन बैठा हैं?

8 विस्फोट से क्या टूटता हैं?

9 हथौड़े की चोट से कौन टूट जाता हैं?

10 खून की उल्टियों के लिए कवि ने क्या कहा है?

11 शिकायत कौन नही करती?

12 'मानवीकरण'का अर्थ क्या अर्थ है?

13 पर्यावरण का अर्थ है?

14 कविता में पेड़ों के हजारों-हजार हाथों के हिलने से अभिप्राय है ?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न

1 'बूढी पृथ्वी का दुख'कविता के अनुसार सन्नाटे में नदियाँ क्या करती है | (2015)

2 'बूढी पृथ्वी का दुख' कविता में कवियत्री मानव समाज को क्या सन्देश देना चाहती है ?

3 'बूढी पृथ्वी का दुख' कविता में पेड़ों के हजारों हजार हाथों के हिलने से क्या अभिप्राय है ? (2016)

4 'बूढी पृथ्वी का दुख' कविता के आधार पर लिखिए कि पानी को प्रदूषित होने से बचाने के लिए आप क्या उपाय कर सकते हैं ? (2017)

5 'बूढी पृथ्वी का दुख' कविता में पृथ्वी को बूढी क्यों कहा गया हैं | (2015)

6 'बूढी पृथ्वी का दुख' कविता के आधार पर प्रकृति के प्रति मनुष्य के किन्ही दो कर्तव्यों को लिखें | 2013

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. **'**बूढी पृथ्वी का दुख' कविता हमें क्या सिखाती हैं और क्यों ? (2014)
2. 'बूढी पृथ्वी का दुख' कविता में वर्णित जल-प्रदूषण के कारण लिखिए ? (2015)
3. 'बूढी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार मनुष्य नदियों के किनारे बेहरमी से क्या कार्य कर रहा हैं ? (2016)
4. 'बूढी पृथ्वी का दुःख' कविता को दृष्टि में रखते हुए बताइये कि प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग करने से आपको कौन-सी हानियाँ उठानी पड़ी ? (2015)